


---

Skandaprokta Shivamahima

——  
स्कन्दप्रोक्ता शिवमहिमा

——  
Document Information



---

Text title : Skandaprokta Shivamahima

File name : shivamahimAskandaprottA.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 14 | 107-115||

Latest update : April 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 28, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



स्कन्दप्रोक्ता शिवमहिमा



देवतासार्वभौमोऽयं शङ्करः सर्वकामदः ।  
धर्मार्थकाममोक्षाणां दान्ता साम्बः शिवः स्वयम् ॥ १०७ ॥  
सर्वदेवेष्टदः पुत्रो धीमानमितविक्रमः ।  
शिवान्यदेवताभक्त्या प्राप्यः किमीदृशः सुतः ॥ १०८ ॥  
शङ्करो विष्णुतपसा सन्तुष्टो विष्णवे मुदा ।  
ददौ वैकुण्ठममलमतो देवोत्तमः शिवः ॥ १०९ ॥  
ब्रह्मणस्तपसा तुष्टस्तस्मै शम्भुः कृपावशात् ।  
ब्रह्मलोकं ददौ पूर्वमतो देवोत्तमः शिवः ॥ ११० ॥  
इन्द्रायेंद्रस्य तपसा सन्तुष्टः शङ्करो मुदा ।  
स्वर्गलोकं ददौ पूर्वमतो देवोत्तमः शिवः ॥ १११ ॥  
पुराग्नितपसा प्रीतः शङ्करस्त्वग्रये मुदा ।  
अग्निलोकं ददौ पूर्वमतो देवोत्तमः शिवः ॥ ११२ ॥  
अन्येभ्योऽपि च देवेभ्यः प्रीतस्तत्तपसा शिवः ।  
लोकानिष्टान्ददौ पूर्वमतो देवोत्तमः शिवः ॥ ११३ ॥  
देवाः सर्वे महादेवं स्तुवन्ति विविधं मुदा ।  
तदन्यं न स्तुवन्त्येवमतो देवोत्तमः शिवः ॥ ११४ ॥  
मोक्षप्रदाता सर्वेभ्यः स्वभक्तेभ्यो महेश्वरः ।  
मोक्षः प्राप्तो महाशैवैरतो देवोत्तमः शिवः ॥ ११५ ॥  
॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते स्कन्दप्रोक्ता शिवमहिमा पूर्णा ॥  
- ॥ श्रीशिवरहस्यम् उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः १४ । १०७-११५ ॥

- .. shrIshivarahasyam ugrAkhyaH saptamAMshaH . adhyAyaH 14 . 107-115


..

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Skandaprokta Shivamahima*

pdf was typeset on April 28, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

